# कक्षा छह से पढ़ाएं तीसरी भाषा तो बेहतर

**जागरण संवाददाता, कानपुर :** सीबीएसई की ओर से तीन भाषा प्रणाली को लागू करने पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई टिप्पणी का अभिभावकों व छात्रों ने स्वागत किया है। उनका मानना है कि कोर्ट ने नौवीं कक्षा से तीसरी भाषा लागू करने पर जो चिंता जताई है, उसका उद्देश्य छात्रों को तनाव न देना है।

शिक्षाविदों का मानना है कि पांचवीं या छठी कक्षा से तीसरी भाषा लागू करने से बच्चों को काफी कुछ सीखने को मिलेगा। विद्यालयों में विद्यार्थियों ने वर्षों तक फ्रेंच को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ा है। उन्होंने समय, मेहनत और रुचि के साथ इस भाषा में दक्षता प्राप्त की है। यदि अब उन्हें अचानक किसी अन्य भारतीय भाषा को अपनाने के लिए बाध्य किया ज़ाता है, तो उनकी पूर्व में अर्जित भाषाई उपलब्धि का महत्व कम हो सकता है।

यदि तीसरी भाषा कक्षा छह से शुरू होगी तो हमें उसे धीरे-धीरे उसे अच्छी तरह सीखने का मौका मिलेगा। नई भाषा सीखना हमारे लिए रोचक भी होगा और आगे कक्षा नौ में पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव भी नहीं रहेगा।

**स्वस्तिका सिंह,** कक्षा छह, मरियमपुर स्कूल

नई भाषा सीखना अच्छी बात है, लेकिन उसकी शुरुआत सही समय पर होनी चाहिए। अगर तीसरी भाषा पहले से पढ़ाई जाए तो हम उसे बिना किसी तनाव के अच्छी तरह सीख सकते हैं। कक्षा नौ में पढ़ाई और परीक्षाओं का दबाव बढ़ जाता है।

**गुरसिमरत कौर छाबड़ा,** कक्षा 8, डीपीएस, बर्रा

शिक्षा व्यवस्था में किसी भी बड़े बदलाव से पहले विद्यालयों, शिक्षकों और अभिभावकों से व्यापक संवाद आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

**अनीता सिंह,** अभिभावक, काकादेव